Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 16-03-2007

Participants : Bhargav Shri Girdhari Lal

Title: Need to revive 'The Rajasthan Urban Cooperative Bank', Chandpol Bazar, Jaipur.

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : मान्यवर, मैं एक बहुत गंभीर समस्या की ओर आपका ध्यान दिला रहा हूँ। यदि वित्त मंत्री जी थोड़ा सा ध्यान देंगे तो मेरी समस्या का समाधान हो जाएगा। राजस्थान में जयपुर स्थित अर्बन कोआपरेटिव बैंक, चांदपोल बाज़ार, 30 अगस्त 2005 को बंद कर दिया गया था। उस समय रिज़र्व बैंक के अनुसार उनके पास 4 करोड़ 34 लाख रुपये का नैटवर्क कम था। जवाहर नगर स्थित ज़मीन को बेचकर बैंक को 5 करोड़ 4 लाख रुपये दे दिये गये। बैंक बंद हो जाने के बाद 2 करोड़ 20 लाख रुपये की वसूली और मिली। इस प्रकार बैंक ने सभी प्रकार के जमाकर्ताओं को 12 करोड़ 20 लाख रुपये देने हैं जिसमें से 1 करोड़ 60 लाख रुपये राज्य सरकार की राशि है और जमाकर्ताओं की राशि 10 करोड़ 60 लाख रुपये ही है। बैंक के पास वर्तमान में 10 करोड़ 90 लाख रुपये जमा हैं। 1 करोड़ रुपये के खातेदार पिछले 20 वर्षों से नहीं आ रहे हैं जो डूबंत खाते में है। [H22]

बैंक में कुल आठ हजार जमाकर्ता है, इनमें एक लाख के ऊपर मात्र 194 खातेदार ही हैं। यदि एक लाख तक के खातेदारों को भुगतान किया जाता है तो 7551 खातेदारों को मात्र 691.83 लाख रुपए ही देने पड़ेंगे, जो लगभग सात करोड़ हैं। 19 माह में बैंक के कर्मचारियों पर एक करोड़ 50 का खर्चा कर दिया है, जब कि आमदनी कुछ नहीं है। बैंक का पांच करोड़ 50 लाख का लोन है और इसमें से तीन करोड़ रुपया चालू खातेदारों की कैश लिमिट है, जो बैंक चालू होते ही रोटेशन में आ जाएगा। खेद है कि 12.3.07 को क्षेत्रिय निदेशक की अध्यक्षता में बैठक हुई, उसमें उपभोक्ताओं से कहा गया कि अभी जब पांच करोड़ रुपया और आ जाएगा तो बैंक तब चालू होगा, वरना नहीं, जब कि आज की तिथि में बैंक के पास सौ प्रतिशत भुगतान करने की राशि मौजूद है।

अत:मेरी केन्द्र सरकार और वित्त मंत्री जी से मांग है कि बैंक को हिदायत दें कि उपभोक्ताओं को, जिनकी इस बैंक में रकम जमा है, जिन गरीब विधवाओं, व्यापारियों और सैनिकों की जमा रकम है, उन्हें रकम लौटाएं और बैंक को वापिस चालू कराएं, यह मेरी आपके माध्यम से प्रार्थना है। आपने मुझे समय दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।